



*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी और खोरा बीसल में तीन नए पुलिस थानों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य उपस्थित थे।*

## नये थानों से अपराध नियंत्रण व महिला सुरक्षा को गति मिलेगी –भजनलाल मुख्यमंत्री ने जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी व खोरा बीसल में नये थानों का शुभारंभ किया

जयपुर, 29 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी और खोरा बीसल में तीन नए पुलिस थानों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार के कार्यकाल में अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और पेपर लीक मामलों की जांच के लिए

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस का रैस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए 25 इंटरसेप्टर वाहन, 250 मोटर साइकिलें और 500 मोबाइल यूनिट वाहन प्रदान किये गये हैं।**

एसआईटी का गठन कर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के लिए 22 नए पुलिस थानों का सृजन, 8 चौकियों का थानों में क्रमोन्नयन तथा 35 नई पुलिस चौकियों की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, जयपुर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के लिए एक नया थाना और 9 चौकियों की स्थापना हेतु 255 पद सृजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 65

एंटी रोमियो स्कॉड का गठन किया गया है। इसके साथ ही, पंथिनी, काली बाई और अमृता देवी नामक तीन नई महिला बटालियन गठित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तैनात की गई हैं और महिला हेल्पलाइन 1090 के माध्यम से त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा, गिरफ्तार व्यक्तिों और गुमशुदा लोगों की जानकारी अब पुलिस पोर्टल पर उपलब्ध है। पुलिस का

रेस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए 25 इंटरसेप्टर वाहन, 750 मोटरसाइकिलें और 500 मोबाइल यूनिट वाहन प्रदान किए गए हैं। साथ ही, एफएसएल में 123 नए पद सृजित कर जांच की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नारायण विहार थाना परिसर का फीता बटालियन गठित किया तथा अन्य थानों का वर्चुअली लोकार्पण किया। कार्यक्रम में स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

### ‘गौतम-शिल्पी मर्डर केस में लिप्त थे सम्राट चौधरी’

पटना, 29 सितंबर। “जन सुपज” प्रमुख प्रशांत किशोर ने गौतम-शिल्पी मर्डर केस में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की संलिप्ता का आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी का नाम लेकर कहा कि बेहतर होगा कि वे खुद इस मामले में अपनी संलिप्ता को लेकर जवाब दे दें। वे अगर ऐसा नहीं करते हैं तो हम लोग अपने अगले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले से जुड़े साक्ष्य को जारी कर पूरी कहानी बता देंगे। जनसुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई ने बिहार के सबसे चर्चित शिल्पी हत्याकांड में साधु यादव के अलावा, सम्राट चौधरी को भी अभियुक्त बनाया था। सीबीआई की टीम ने सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार से लंबी पूछताछ भी की थी। उनका सैलून भी लिया गया था। लेकिन तत्कालीन लालू- राबड़ी सरकार ने साधु यादव को बचाने के लिए पूरे मामले को रफा दफा कर दिया था। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 1997-1998 में ही मुझे कोर्ट ने बरी किया है। उनके आरोपों में दम नहीं है।

## भारतीय रेल नैटवर्क से जुड़ेगा भूटान

### भारत सरकार ने 4 हजार करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर। भारत ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश भूटान को अपने रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए सोमवार को कुल चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की दो महत्वाकांक्षी रेल-मार्ग परियोजनाओं के निर्माण की घोषणा की।

इसकार्निर्माण पूरा होने पर भूटान के दो शहर गेलेफू और समत्से क्रमशः असम और पश्चिम बंगाल से सीधे रेलमार्ग से जुड़ जायेंगे। इक्से दोनों देशों के बीच यात्री और माल परिवहन में भारी सुधार होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इनमें से पहली परियोजना असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू और दूसरी पश्चिम बंगाल के बनारहाट से समत्से के बीच रेल संपर्क के लिए तैयार की गयी है । उन्होंने बताया कि

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ प्रैस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी और कहा, यह रेलें बिजली से चलेंगी, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होगा।**

बनारहाट और भूटान के औद्योगिक शहर समत्से के बीच 16 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन विकसित की जायेगी और यह लाइन भूटान को पहली बार रेल संपर्क से जोड़ेगी।

भूटान के महत्वपूर्ण शहर गेलेफू को कोकराझार से जोड़ने वाला रेल मार्ग करीब 70 किलोमीटर लंबा होगा। इस तरह इन परियोजनाओं से भूटान में पहली बार करीब 90 किलोमीटर के रेल मार्ग उपलब्ध होंगे, जो भारतीय रेल-नेटवर्क से जुड़े होंगे।

रेल मंत्री ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं को चार साल में पूरा किया जाएगा और इन पर करीब 4033 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

भूटान के लिए विकसित किये जाने वाली रेलवे लाइनों को वंदेभारत रेल चलाने के अनुकूल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भूटान के लिए भारत सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और उसका बाहरी दुनिया के साथ अधिकांश व्यापार भारतीय बंदरगाहों और भारत के सड़क मार्गों के माध्यम से होता है। प्रस्तावित रेलवे नेटवर्क के तैयार होने के बाद भूटान की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा।

भूटान को जोड़ने वाली रेल लाइनें बिजली से संचालित होंगी है और इस तरह रेल परिचालन से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा।

## चीन खुले दिल और मुक्त हाथों से डॉक्टर ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
शिक्षित वैज्ञानिक पहले से ही चीन लौट रहे थे और यह एक मजबूत और शायद “अपरिवर्तनीय” प्रवृत्ति थी।

स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधार विकसित करने की पहल कोई और नहीं बल्कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति शी जिनिपिंग द्वारा निरंतर की जा रही है। वे लंबे समय से चीनी वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित और सम्मानित करते आ रहे हैं। हाल ही में एक सैन्य प्रदर्शनी में चीन ने जिस अत्याधुनिक तकनीक और हार्ड-टेक रक्षा उत्पादों का प्रदर्शन किया, वह तो बस शुरुआत भर है।

असल में, चीन के पास ऐसे नतीजे पाने के दो बड़े कारण हैं। पहला, देश में उच्चतम स्तर पर स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकसित करने की राजनीतिक प्रतिबद्धता। कहा जाता है कि “किसी राष्ट्र की तरक्की उसकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति से होती है।” ऐसे समय में, जबकि अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर रहा है, तब चीन प्रमुख और युवा वैज्ञानिकों व तकनीकी विशेषज्ञों के लिए “के” वीजा नाम का नया वीजा प्रोग्राम

ला रहा है।

दूसरा, चीन के पास इतना बड़ा कोष है कि वह विज्ञान और अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए ऐसे क्षेत्रों में भी निवेश कर सकता है जिनका तुरंत कोई उपयोग न हो, लेकिन भविष्य में बड़ा लाभ हो सकता है। चीनी संस्थान और शोध निकाय आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और नेटवर्क सुरक्षा जैसे क्षेत्रों के शीर्ष विशेषज्ञों को आमंत्रित कर रहे हैं और उन्हें लगभग पाँच लाख डॉलर तक के पैकेज दे रहे हैं। शीर्ष स्तर से मिले इन साफ निर्देशों के साथ चीन, टूट्म प्रशासन की सख्ती और एन्टी-इम्प्रेशन माहौल में फंसे प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षक पद और सुविधाएं देकर लुभाने की कोशिश कर रहा है। एच-1बी वीजा पर ऊंची फीस लगाने की डॉनल्ड ट्रम्प की “अदृग्दर्शी” नीति ने उच्च प्रतिभाओं, मुख्य रूप से वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और गणितज्ञों में डर पैदा कर दिया है, जिन्हें अब प्रतिद्वंद्वी देश अपने यहां बुलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऐसे हालात में टूट्म प्रशासन की कार्रवाइयों पर सिर्फ शिकायत करने के बजाय भारत को युद्धस्तर पर पूरी स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए और ऐसे

प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने के लिए योजनाएं और धन उपलब्ध कराना चाहिए, अगर वे अमेरिका से बाहर आने का सोचते हैं। क्योंकि इस शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने की होड़ बेहद प्रतिस्पर्धी और महंगी भी हो सकती है। पहले से ही अमेरिका का उत्तरी पड़ोसी देश कैनडा सक्रिय हो चुका है। कैनडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस सप्ताह वॉशिंगटन में काउन्सिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स के सामने कहा कि अमेरिका के वीजा नियमों में बदलाव पर उनकी नजर है। उन्होंने कहा, “शायद हम उनमें से कुछ को अपने यहां ला सकें।”

कार्नी, वीजा परिवर्तनों से प्रभावित लोगों के लिए कैनडा को एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं, जहाँ वे अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए नया कर व जगह पा सकते हैं। देश में अनेक विश्वस्तरीय संस्थान और शोध संगठन हैं जो ऐसे प्रतिभाशाली लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

जर्मनी भी ऐसा ही कर रहा है और उसे उम्मीद है कि अमेरिका से निकले शीर्ष प्रतिभाशाली लोग उसके देश को विकल्प के रूप में देखेंगे। भारत में चर्मन

राजदूत विशेष रूप से इस बात की सहायता करते हैं कि भारतीयों ने सिलिकॉन वैली की कंपनियों और व्यापक रूप से शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य जगहों के विकास में बड़ी भूमिका निभाई है। जो देश अब शीर्ष प्रतिभाओं को पाने की होड़ में हैं, उनमें सबसे बड़ा आकर्षण बनकर जो देश उभर रहा है वो है चीना। इसकी वजह यह है कि चीन के पास पैसा है और पूरे देश में संस्थानों का ऐसा जाल है जो वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और एसटीईएम (स्टैम) क्षेत्र के लोगों को जगह दे सकता है।

चीन मुख्य रूप से प्रवासी चीनी नागरिकों को निशाना बना रहा है, लेकिन वह अन्य देशों के विशेषज्ञों का भी उतना ही स्वागत करता है। चीन, खासतौर पर रक्षा और सैन्य एप्लिकेशन्स में, अपने तकनीकी आधार को विकसित करने में अत्यधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है।

तथापि, अगर भारत अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एक खिलाड़ी, एक प्रमुख अर्थव्यवस्था और सबसे बढ़कर नवाचार और विकास के केन्द्र के रूप में बना रहना चाहता है, तो इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। चीन ने समझ लिया है कि विज्ञान और

### ‘राहुल को धमकी देने वाले पर कार्यवाही क्यों नहीं?’

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर। कांग्रेस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि यह हैरानी की बात है कि भाजपा गांधी को

- कांग्रेस पार्टी ने यह सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि यह धमकी आवेश में की गई टिप्पणी नहीं बल्कि सोची समझी रणनीति का हिस्सा है।**

जान से मारने की धमकी देने वाले अपने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

पार्टी ने सोमवार को कहा कि भाजपा प्रवक्ता की यह धमकी अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गांधी को पहले भी विभिन्न अवसरों पर धमकियां दी जाती रही हैं, लेकिन भाजपा प्रवक्ता की लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी को लाइव टेलीविजन शो पर जान से मारने की यह धमकी उसकी मंशा पर गंभीर सवाल उठाती है।

कांग्रेस ने एक बयान में सवाल किया कि क्या गांधी के खिलाफ कोई बड़ी और भयावह साजिश हो रही है, इसलिए भाजपा जान से मारने की धमकियों की राजनीति का समर्थन करती है। अगर ऐसा नहीं है तो भाजपा को तत्काल अपने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

कांग्रेस का कहना है कि यह अत्यंत गंभीर मामला है, इसलिए पार्टी नेता के सी वेगुओपाल ने इस मुद्दे पर गुहमंशी अमित शाह को पत्र लिखकर प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

### क्रिकेट मैच के ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
अपने रुख के चलते, 1974 में रोडेशिया के खिलाफ डेविंस कप टेनिस फाइनल खेलने से भी इनकार कर दिया था। वर्ष1971 में, जब भारत-पाकिस्तान युद्ध अपने चरम पर था, तब भी दोनों देशों के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेष विश्व 'रेस्ट ऑफ द

## सहयोग पोर्टल पर सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा एक्स

### एक्स ने कहा, कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे, ताकि “फ्री स्पीच” की रक्षा हो सके

नई दिल्ली, 29 सितंबर। एलन मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ( पूर्व में ट्विटर) भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर एक बार फिर विवादों के केन्द्र में आ गया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील करेगी, जिसमें सरकार के "सहयोग पोर्टल" को मंजूरी दी गई है। इस पोर्टल के जरिए, देशभर के करीब 20 लाख पुलिस अधिकारियों को कंटेंट हटाने का अधिकार मिल गया है। एक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, “हम इस आदेश को चुनौती देंगे, ताकि फ्री स्पीच की रक्षा की जा सके।” कंपनी का आरोप है कि सहयोग पोर्टल अधिकारियों को सिर्फ अवैधता के आरोप के आधार पर कंटेंट हटाने का

## कैनडा ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित किया

### कैनडा सरकार ने दावा किया कि बिश्नोई गैंग देश में कई गैंग वॉर व हत्याओं में शामिल है

- कैनडा के कई राजनेताओं ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की माँग की थी। जून में ब्रिटिश कोलम्बिया में प्रधानमंत्री ने तथा जुलाई में अल्बर्टा के प्रधानमंत्री ने इस गैंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।**

किया जाएगा।”

कैनडा के कई राजनेताओं ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की मांग की थी। 17 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के प्रधानमंत्री डेविड एबी ने कहा, ”आतंकवादी घोषित किए जाने से पुलिस को इस गतिविधि की जांच करने और उसे रोकने के लिए आवश्यक उपकरणों का उपयोग करने में मदद मिलती है। इससे पुलिस को महत्वपूर्ण जांच टूल्स मिलते हैं।” जुलाई में, अल्बर्टा के प्रधानमंत्री डैनियल स्मिथ ने भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की मांग की थी।(कैनडा की अपराध

निरोधक राज्य सचिव रूबी सहोता ने कहा कि अगर कोई समूह आतंकवादी समूह होने के पैरामीटर्स पर आधारित है तो उसे बिना कोई देरी किए सूचीबद्ध कर दिया जाएगा।

14 मई को कैनडा के टोरंटो में 51 वर्ष के हरजीत सिंह ढ ड्डा की उनके ऑफिस के पार्किंग में हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने हरजीत को गोलियों से छलनी कर दिया था। उनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बाद में बिश्नोई गैंग से जुड़े दो लोगों ने फेसबुक पोस्ट में हरजीत की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

### घाटी में ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
कश्मीर संभाग में जिन सात दूरिस्ट स्पाॅट को फिर से खोला गया, उनमें अरु घाटी, राफिउर्ा पोंडॅट यात्रर, अक्कड़ पार्क, पादशाही पार्क और कमान पोस्ट शामिल हैं।

इसके अलावा, जम्मू संभाग में भी 5 पर्यटन स्थलों को खोला गया है, जिनमें डगन टॉप (रामबन), धगर (कठुआ), शिव गुफा (सालाल, रियासी) शामिल हैं। इससे पहले, जून महीने में प्रशासन ने 16 अन्य पर्यटन स्थलों को भी फिर से खोला था, जिनमें पहलगाम के कुछ हिस्से भी शामिल थे।

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने पाकिस्तानी प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर संचार व्यवस्था ठप कर रहा है, ताकि क्षेत्र को अलग-थलग किया जा सके और सूचना प्रवाह रोका जा सके।

पार्टी ने संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य वैश्विक शक्तियों से अपील की है कि वे हस्तक्षेप करें और 13 मई 2024 जैसी एक और त्रासदी को रोके, जब मुजफ्फराबाद में पाकिस्तानी रेंजर्स ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोली चलाई थी, जिसमें तीन नागरिकों की मौत हुई थी, यह मामला अब भी अनुसूद्धा है।

पार्टी का कहना है कि पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित–बाल्टिस्तान अभी भी राजनीतिक रूप से उपेक्षित क्षेत्र हैं, जहां नागरिकों को बोलने, चलने और स्व-शासन के अधिकार नहीं दिए जाते। यह एक ऐसा आरोप है, जो पाकिस्तान के कश्मीरी आत्मनिर्णय के झूठ को उजागर करता है। यह संकट चीन के रणनीतिक समीकरण को भी जटिल बना सकता

है, क्योंकि चीन–पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के कुछ हिस्से गिलगित–बाल्टिस्तान से होकर गुजरते हैं। यदि अस्थिरता बढ़ी, तो इससे निवेश प्रभावित होगा, पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ेगा तथा बीजिंग–इस्लामाबाद संबंधों में खटास आ सकती है।

यह संकट महज कानून–व्यवस्था का मुद्दा नहीं है – यह पाकिस्तान के कच्चे वाले क्षेत्रों में विफल शासन का जनमत संग्रह है। दुनिया देख रही है, और इस्लामाबाद के पास अबसिर्फ दोविकल्पहैं सुधार और संवाद के रास्ते से आगे बढ़ना, या पाक अधिकृत कश्मीर को एक और सुरक्षा संकट में बदल देना।

भारत और वैश्विक समुदाय के लिए संदेश स्पष्ट है कि पाक अधिकृत कश्मीर के सुखी होने का भ्रम टूट चुका है।” अब जो सामने आ रहा है, वह एक ऐसा क्षेत्र है, जो अपने बुनियादी अधिकारों की मांग कर रहा है, और ऐसा करते हुए, वह दक्षिण एशिया के राजनीतिक भूगोल को नए सिरे से गढ़ रहा है।

### महाराष्ट्र में भारी बारिश, दो दिन में 10 की मौत

मुंबई, 29 सितंबर। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और मुंबई उपनगरीय, रायगड, दाणे और पालघर सहित, चार अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिनमें अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

यह चेतावनी तटीय महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश के बीच जारी की गई है, मुंबई में इस मामासून सीजन में 3,000 मिलीमीटर बारिश का आंकड़ा पार हो गया है।

अधिकारियों के अनुसार, 48 घंटों से अधिक समय में पूरे महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम दस लोगों की जान चली गई, जबकि देश रात तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 11,800 से अधिक लोगों को बचाया गया है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि अकेले नासिक जिले में चार मौतें हुईं, धाराशिव और अहिल्यानगर में दो-दो मौतें हुईं, और जालना और यवतमाल जिलों में एक-एक मौत हुई।

### अडानी को प्रॉपर्टीज़ ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
आवेदन में कहा गया, “24,030 करोड़ की कुल मूल्य राशि में से, सहारा समूह ने लगभग 16,000 करोड़ की राशि वसूल की है और इसे उपरोक्त खाते में जमा किया है।”

सेबी द्वारा सहारा समूह की संर्पत्तियों को बेचने में असफलता की ओर इशारा करते हुए, एसआईसीसीएल ने कहा कि रिफंड खाते में जमा की गई पूरी राशि केवल सहारा समूह के प्रयासों से ही एकत्र की गई। एसआईसीसीएल ने आगे बताया कि नवंबर 2023 में सहारा समूह के प्रमुख सुन्नत रॉय के निधन के बाद, समूह ने अपना एकमात्र निर्णय लेने वाला व्यक्ति खो दिया। परिवार के सदस्य अब दैनिक व्यावसायिक संचालन में शामिल नहीं है और वे निवेशकों के हितों की रक्षा करना चाहते हैं। याचिका में कहा गया

### प्र.मंत्री मोदी ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
योगदान दिया है। रूपा पब्लिकेशन की ओर से प्रकाशित इस आत्मकथा में मजदूरों की बस्ती में अपना बचपन गुजारने से लेकर इटली की प्रधानमंत्री बनने तक का कठिन सफर तय किया है।

अपनी कहानी अपने शब्दों में साझा करते हुए बताया है कि कैसे उन्होंने नागवेट्टला में मजदूरों की बस्ती में अपना बचपन गुजारने से लेकर इटली की प्रधानमंत्री बनने तक का कठिन सफर तय किया है।

माईन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्या, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, एच.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायका हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आर्यद मैन रोड आर्यद, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्स्टीटयल एरिया, फैस प्रथम, जालोरा। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424
हिण्डौनसीटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसीटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600
चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

●●●●●

⊕

●●●●●

⊕

●●●●●

⊕

●●●●●